न्यूज डायरी

भारत–चीन के संबंध पर विदेश मंत्री एस जयशंकर का बयान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेरिस। तीन दिवसीय फ्रांस दौरे पर गए विदेश मंत्री डा एस जयशंकर ने भारत–चीन सीमा स्थिति पर प्रतिक्रिया दी। विदेश मंत्री डा एस जयशंकर ने कहा पूर्वी लद्दाख की सीमा पर सैन्य कमांडरों द्वारा हमारे बीच 13 दौर की चर्चा हुई है, जिसके बाद कई जगह समाधान निकला। परिणामस्वरूप, हमने कई बिंदुओं में महत्वपूर्ण प्रगति की है, कुछ बिंदु हैं जिन्हें अभी भी सुलझाया जाना बाकी है। पेरिस में विदेश मंत्री ने विदेश मंत्री ने साफ किया कि हम वास्तविक नियंत्रण रेखा में एकतरफा बदलाव के किसी भी प्रयास को स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा हम पूरी तरह से स्पष्ट हैं कि हम स।ि पर यथास्थिति में किसी भी बदलाव को स्वीकार नहीं करेंगे। आपको बता दें कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार (20 फरवरी) को फ्रांस की अपनी तीन दिवसीय यात्रा शुरू की है।

बाइडन ने भारतीय को दी यूक्रेन पर रूस को झुकाने की जिम्मेदारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। यूक्रेन में रूसी सेना के घुसने से भड़के अमेरिका ने रूस के खिलाफ कई कड़े प्रतिबंधों का ऐलान किया है। अमेरिका को उम्मीद है कि इन प्रतिबंधों से रूस की आक्रामकता ढील होगी और उसे यूक्रेन पर झुकाया जा सकेगा। बाइडन प्रशासन ने रूस पर प्रतिबंध लगाने की जिम्मेदारी एक भारतीय को सौंपी है। इनका नाम दलीप सिंह हैं। भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक दलीप सिंह बाइडन प्रशासन के आर्थिक सलाहकार हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को उस निर्णय पर हस्ताक्षर किये जिसके माध्यम से यूक्रेन के दोनेत्स्क और लुहांस्क गणतंत्र को स्वतंत्र देश के तौर पर मान्यता दी गई है। इससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है और यूक्रेन पर मॉस्को के हमले की आशंका बढ़ गई है। पुतिन ने रूस के सैनिकों को पूर्वी यूक्रेन में बढ़ने का आदेश दिया है जिसे क्रेमलिन की ओर से शांतिरक्षा अभियान नाम दिया गया है। दलीप सिंह अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र के लिए उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तथा राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के उप निदेशक हैं।

लांग मार्च के जरिए अपाहिज सरकार को उखाड़ फेकेंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान की इमरान खान सरकार के खिलाफ विपक्षी पार्टियां एकजुट हो गई हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी 27 फरवरी को इमरान खान सरकार के खिलाफ कराची से इस्लामाबाद तक लांग मार्च निकालेगी। कराची से इस्लामाबाद के लिए निकाले जाने वाले इस लांग मार्च को लेकर पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो ने सरकार को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा ये मार्च 27 फरवरी को कराची से रवाना होगा और इस्लामाबाद पहुंचने के बाद सरकार के लिए इसे संभालना वास्तव में मुश्किल हो जाएगा। दरअसल, पेशावर में एक पार्टी सम्मेलन में बोलते हुए बिलावल भुट्टो ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान अपनी सभी प्रतिबद्धताओं से पीछे हट गए है। 27 फरवरी को निकलने वाला उनकी पार्टी का लांग मार्च भ्रष्ट और अक्षम संघीय सरकार को बाहर कर देगा।

आयरलैंड के लोगों को मिलने वाली है मास्क पहनने से छूट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) डबलिन। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से बचाव के लिए दुनिया भर में कोविड–19 प्रतिबंध लगाए गए, जिसमें सार्वजनिक स्थानों पर मास्क लगाना अनिवार्य नियम है। लेकिन अब आयरलैंड के लोगों को मास्क पहने की अनिवार्यता से छूट मिलने वाली है। 28 फरवरी से शुरु होने वाले इनडोर सार्वजनिक सुविधाओं और सार्वजनिक परिवहन पर अनिवार्य मास्क पहनने के नियमों को देश हटा देगा। यह जानकारी मंगलवार को आयरिश सरकार ने दी। आयरलैंड सरकार ने एक बयान में कहा कि देशभर में कोविड–19 नियमों में छूट दी जाएगी। इस बीच, प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के साथ–साथ प्रारंभिक शिक्षा और स्कूली बच्चों की देखभाल की सुविधाओं में वर्तमान में मौजूद विशिष्ट सुरक्षात्मक उपायों को भी हटा दिया जाएगा।

रूस से निपटने के लिए अमेरिका ने भेजे 32 अपाचे हेलिकॉप्टर

यूरोप में सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं पुतिनः ब्लिंकेन

रिपोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कीव। यूक्रेन पर रूस के हमले के खतरे को देखते हुए अमेरिका ने पोलैंड में 9 हजार सैनिकों को भेजने के बाद अब 32 अपाचे हेलिकॉप्टर, 8 अत्याधुनिक एफ–35 फाइटर जेट और 800 अतिरिक्त सैनिक भेजे हैं। उड़ता टैंक कहे जाने वाले अपाचे हेलिकॉप्टर जर्मनी और ग्रीस से भेजे गए हैं। रूस के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका अब अपने जंगी हथियारों और सैनिकों को पूर्वी यूरोप की ओर ले जा रहा है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक 800 अमेरिकी सैनिकों को लिथुआनिया, लाटविया और इस्टोनिया भेजा रहा है। अमेरिका अपने सबसे आधुनिक एफ–35 फाइटर जेट को नाटो देशों में तैनात करने जा रहा है। अमेरिका के अपाचे हेलिकॉप्टर को बाल्टिक देशों और पोलैंड में तैनात किया जा रहा है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने एक बयान जारी करके कहा, अतिरिक्त

सैन्यकर्मियों को नाटो सहयोगियों को गारंटी देने के लिए एक जगह से दूसरी जगह पर तैनात किया गया है। ये सैनिक नाटो देशों पर होने वाले किसी भी हमले का जवाब देंगे और ट्रेनिंग देने का काम करेंगे।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रात को अतिरिक्त सैन्य उपकरणों को बाल्टिक देशों में भेजने का आदेश दिया था। उन्होंने कहा कि रूस के बेलारूस से सेना को नहीं हटाने के बाद मैंने अतिरिक्त सैनिकों और उपकरणों की तैनाती का आदेश दिया है जो पहले से ही यूरोप में मौजूद हैं। इससे बाल्टिक देशों की सुरक्षा मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से रक्षात्मक कदम है और हम इसके जरिए रूस को संदेश देना चाहते हैं।

इस बीच अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि यूक्रेन पर आक्रमण की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 'सभी के साथ योजना' की थी। उन्होंने स्थिति को 'निर्मित संकट' बताया। द गार्जियन की रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। वाशिंगटन में यूक्रेनी विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में, ब्लिंकन ने कहा, 'उनकी (पुतिन) योजना हमेशा यूक्रेन पर आक्रमण करने, यूक्रेन और उसके लोगों को नियंत्रित करने, यूक्रेन के लोकतंत्र को नष्ट करने की रही है, जो इसके विपरीत है। इसलिए यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से यूरोप में सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा है।'

मास्को आक्रमण को आगे बढ़ाता है तो प्रतिबंधों को बढ़ाने की योजना ब्लिंकन ने यह भी कहा कि वह अब रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से शुक्रवार को पेरिस में योजना के अनुसार नहीं मिलेंगे। उन्होंने कहा, 'अब जब हम देखते हैं कि आक्रमण शुरू हो रहा है और रूस ने कूटनीति की अपनी थोक अस्वीकृति को स्पष्ट कर दिया है, तो इस समय उस बैठक को आगे बढ़ाने का कोई मतलब नहीं है।' ब्लिंकन की टिप्पणी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा मंगलवार को रूसी बैंकों, कुलीन वर्गों और अन्य के खिलाफ सख्त प्रतिबंधों के पहले दौर की घोषणा के बाद आई है।

अमेरिका के बाद जापान ने लगाए रूस पर प्रतिबंध

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। रूस द्वारा यूक्रेन के अलगाववादियों के नियंत्रण वाले दो क्षेत्रों को मान्यता दिए जाने के बाद हालात और बिगड़ रहे हैं। कई पश्चिमी देश रूस पर प्रतिबंध लगा रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन के बाद अब जापान ने भी अमेरिका पर प्रतिबंध लगाए हैं। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने बुधवार को कहा कि हमारी सरकार जापान में रूस के सरकारी बांड को जारी करने और वितरण पर बैन लगाएगी। किशिदा ने ये भी कहा कि जापान दो यूक्रेनी विद्रोही क्षेत्रों से जुड़े लोगों को वीजा जारी करना भी निलंबित कर देगा। इसके अलावा जापान में उनकी संपत्ति को फ्रीज किया जाएगा और दोनों क्षेत्रों के साथ व्यापार पर प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी रूस पर प्रतिबंध लगाने का एलान किया है। बाइडन ने अपने संबोधन में कहा कि अब तक रूस को पश्चिमी देशों से मिलने वाली आर्थिक सहायता आगे नहीं मिल सकेगी। बाइडन ने कहा कि हम रूस के दो बड़े वित्तीय संस्थानों टम्ठ और सैन्य बैंक पर प्रतिबंध लागू कर रहे हैं। रूस के संप्रभु ऋण पर प्रतिबंध लगा रहे हैं। इसके अलावा बाइडन ने रूस के शीर्ष राजनयिकों और उनके परिवार के सदस्यों पर भी प्रतिबंध लगाने का एलान किया है।

यूक्रेन के पास रूस से विवाद को खत्म करने का विकल्प है खुला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन का विवाद अब एक ऐसे मोड़ पर आ चुका है जहां से रूस पीछे नहीं हट सकता है। वहीं यदि यूक्रेन नहीं माना तो खुद को इस आग में झोंक कर अपना ही नुकसार कर देगा। रूस को भले ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से बार–बार चेतावनी भरे स्वर सुनाई दे रहे हों या फिर उस पर कड़े प्रतिबंध लगाने की आवाज उठ रही हो, लेकिन ये सभी बातें रूस को न के ही बराबर नुकसान पहुंचा सकती हैं। रूस वैसे भी पहले से ही कई तरह के अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना कर यहां तक पहुंचा है। ऐसे में उस पर और अधिक प्रतिबंधों का असर भी न के ही बराबर होगा।

यूक्रेन का दावा– रूस के हमले में एक सैनिक की मौत, 6 घायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कीव। रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले की आहट और तेज हो गई है। इसी बीच यूक्रेन ने बड़ा दावा किया है। यूक्रेन ने कहा कि रूस द्वारा हमले में उसके एक सैनिक की जान चली गई है जबकि 6 घायल हुए हैं। यूक्रेन की सेना ने बताया कि बीते 24 घंटे में पूर्वी यूक्रेन में सीजफायर उल्लंघन हुआ है। गोलीबारी में एक सैनिक की मौत हो गई और 6 घायल हो गए।

सेना ने अपने फेसबुक पेज पर कहा कि 24 घंटे में अलगाववादियों द्वारा गोलीबारी की 96 घटनाओं को रिकार्ड किया है। इससे एक दिन पहले गोलीबारी की 84 घटनाएं हुई थी। सेना ने कहा कि अलगाववादी ताकतों ने भारी तोपखाने, मोर्टार और ग्रैड रॉकेट सिस्टम का इस्तेमाल किया।

रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले की आहट और तेज

यूक्रेन ने रूस पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। यूक्रेन ने कहा कि पूर्वी यूक्रेन को औपचारिक रूप से मान्यता देने के बहाने रूस हमला कर रहा है।

कई देशों ने अपनाया कड़ा रुखः गौरतलब है कि कई देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी और कनाडा जैसे देश रूस पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि अब तक रूस को पश्चिमी देशों से मिलने वाली आर्थिक सहायता आगे नहीं मिल सकेगी। बाइडन ने कहा कि हम रूस के दो बड़े वित्तीय संस्थानों टम्ठ और सैन्य बैंक पर प्रतिबंध लागू कर रहे हैं। रूस के संप्रभु ऋण पर प्रतिबंध लगा रहे हैं। इसके अलावा बाइडन ने रूस के शीर्ष राजनयिकों और उनके परिवार के सदस्यों पर भी प्रतिबंध लगाने का एलान किया है।

वहीं, जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने बुधवार को कहा कि हमारी सरकार जापान में रूस के सरकारी बांड को जारी करने और वितरण पर बैन लगाएगी। ब्रिटेन ने भी रूस के पांच बैंकों और तीन अरबपतियों के खिलाफ पाबंदियों की घोषणा की है।

ताइवान के खिलाफ रूस के नक्शेकदम पर चल सकता है चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। रूस की सेना के यूक्रेन पर हमले के पूरी तैयारी कर चुकी है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन की सरकार को अल्टीमेटम दे दिया है। इस महासंकट को देखते हुए अब अमेरिका का ध्यान ताइवान और चीन से हटकर रूस की ओर मुड़ गया है। इस बीच अब दुनिया में यह डर सताने लगा है कि कहीं चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग रूस की राह पर चलते हुए ताइवान के खिलाफ कार्रवाई न शुरू कर दें। यही वजह है कि विश्लेषक अमेरिका को तैयार रहने की सलाह दे रहे हैं। चर्चित अमेरिकी पत्रिका फॉरेन पॉलिसी का मानना है कि शी जिनपिंग ताइवान में पुतिन की राह पर बढ़ सकते हैं। ऐसे में अगर अमेरिका ताइवान पर फंसना नहीं चाहता है तो उसे आज से ही तैयारी शुरू करनी होगी। चीन का लक्ष्य है कि ताइवान को उनकी राजनीतिक मांग के झुकने और चीन के कब्जे को मानने के लिए मजबूर किया जा सके। साथ ही उसकी कोशिश होगी कि अमेरिका को ताइवान से दूर रखा जाए।